सेवा भारती अवध प्रान्त

ई -पत्रिका

समाज-दर्पण

विक्रम संवत 2081 फरवरी 2025

प्रयागराज-महाकुंभ-2025

WWW.SEWABHARATIAWADH.ORG

05 Mar 2025 SEWA BHARATI E-bulletin

प्रयागराज
महाकुम्भ
२०२५

श्री युद्धवीर जी
क्षेत्र सेवा प्रमुख
पूर्वी उत्तर प्रदेश

पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र सेवा प्रमुख श्री युद्धवीर जी ने प्रयागराज महाकुंभ के शुभारंभ पर दी शुभकामनाएं

प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ 2025 के शुभारंभ के अवसर पर पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र सेवा प्रमुख श्री युद्धवीर जी ने समस्त श्रद्धालुओं, साधु-संतों और धर्मप्रेमी जनमानस को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

श्री युधवीर जी ने कहा कि महाकुंभ भारतीय संस्कृति, संस्कार और अध्यात्म का अनुपम पर्व है, जहां देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु संगम की पावन धरती पर पुण्य लाभ अर्जित करते हैं।

उन्होंने कहा कि सेवा भारती के कार्यकर्ता महाकुंभ के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्यरत रहेंगे। कुंभ जैसे भव्य आयोजन में श्रद्धालुओं की सहायता करना मानव सेवा के साथ-साथ राष्ट्र सेवा का एक पुनीत कार्य है।

"सेवा ही धर्म का सच्चा स्वरूप है, और कुंभ जैसे महापर्व में श्रद्धालुओं की सेवा करना हम सबका कर्तव्य है।"

— श्री युद्धवीर जी

उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आवाहन किया कि वे सेवा कार्यों के माध्यम से श्रद्धालुओं की सहायता कर भारतीय संस्कृति के मूल मंत्र 'नर सेवा, नारायण सेवा' को साकार करें।

नेत्र कुंभ 2025 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दौरा, प्रयागराज में नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर की सफलता

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश – 2025 के नेत्र कुंभ के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने महायज्ञ का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने नवीनतम चिकित्सा तकनीकों का अवलोकन किया और इस महायज्ञ के तहत आयोजित नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर की उपलब्धियों पर संतोष व्यक्त किया।

शिविर में दी गई सुविधाएँ: नेत्र कुंभ में नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया था, जिसमें लाखों लोगों को उच्च गुणवत्ता वाली नेत्र चिकित्सा सेवाएँ प्रदान की गईं। शिविरों में पंजीकरण, चश्मों का वितरण, और विशेषज्ञों द्वारा कंसल्टेशन प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेशवासियों के स्वास्थ्य के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है और नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में यह पहल प्रदेशवासियों के लिए एक नया अध्याय खोल रही है।

अंतिम रिपोर्ट (6 जनवरी से 27 फरवरी 2025):

- **पंजीकरण संख्या: 2,37,964**
- **चश्मों का वितरण: 1,63,652**
- **रेफरल संख्या:** 17,069

यह आंकड़े इस बात को स्पष्ट करते हैं कि कितनी बड़ी संख्या में लोगों ने शिविर का लाभ उठाया और चश्मों का वितरण भी बड़ी संख्या में हुआ। इसके अलावा, **17,069** लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकों के पास रेफर किया गया, जिनमें से कई को ऑपरेशन की आवश्यकता हो सकती थी।

मुख्यमंत्री का संदेश: योगी आदित्यनाथ जी ने कहा, **"नेत्र कुंभ** के आयोजन से न केवल लोगों को नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में सहायता मिल रही है, बल्कि यह उत्तर प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य सुधारों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। हम लोगों को स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराकर उनके जीवन में सुधार लाने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं।"

नेत्र कुंभ 2025 का आयोजन सफलता की ओर बढ़ता हुआ प्रतीत होता है, और इसे देखकर यह कहना उचित होगा कि उत्तर प्रदेश सरकार का यह प्रयास हजारों लोगों के जीवन को रोशन करने में सफल साबित हो रहा है। यह शिविर न केवल एक स्वास्थ्य पहल है, बल्कि यह समाज के विभिन्न वर्गों के बीच समावेशिता और सेवा भावना को भी बढ़ावा दे रहा है।

नेत्र कुंभ 2025 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबळे जी का आगमन

नेत्र कुंभ 2025 के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबळे जी ने इस महायज्ञ का दौरा किया और आयोजन की सराहना की। यह आयोजन 2025 में एक ऐतिहासिक मोड़ पर था, जब लाखों श्रद्धालुओं और विभिन्न समाजसेवी संगठनों के लोग एकत्रित हुए थे।

आगमन और स्वागत

श्री दत्तात्रेय होसबळे जी का आगमन नेत्र कुंभ स्थल पर धूमधाम से हुआ। संघ के कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। वे मंच पर पहुंचे और श्रद्धालुओं से मिले। उनके आगमन से कार्यक्रम में विशेष उत्साह देखने को मिला।

महायज्ञ का महत्व और उद्देश्य

नेत्र कुंभ 2025 का आयोजन विशेष रूप से दृष्टिहीनता और नेत्रहीन लोगों के कल्याण के लिए किया गया था। इस महायज्ञ में लाखों लोग एकत्रित हुए थे, जिन्होंने अपने दान से नेत्र दान, ऑपरेशन, और दृष्टिहीनों के लिए सहारा देने का संकल्प लिया। इसके अलावा, इस आयोजन के दौरान नेत्रहीनों के लिए शिक्षा, चिकित्सा, और रोजगार जैसे विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा हुई।

श्री होसबळे जी की सराहना

श्री दत्तात्रेय होसबळे जी ने महायज्ञ के दौरान इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा, "यह महायज्ञ समाज में एकता, प्रेम और सहयोग का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। संघ हमेशा से समाज के कमजोर वर्गों के लिए कार्य करता है और इस तरह के आयोजन इसका सशक्त प्रमाण हैं। इस आयोजन के माध्यम से हम न केवल दृष्टिहीनों को सहयोग प्रदान कर रहे हैं, बल्कि समाज के हर वर्ग को जोड़ने का कार्य भी कर रहे हैं।"

उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता फैलाना और हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारियों का अहसास दिलाना बेहद महत्वपूर्ण है। यह एकता और समर्पण का प्रतीक है, जो समाज को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा और सभी को एक-दूसरे की मदद करने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने संघ कार्यकर्ताओं का भी आभार व्यक्त किया, जो हमेशा समाज की सेवा में जुटे रहते हैं।

इस आयोजन के माध्यम से नेत्रहीनों के प्रति समाज में संवेदनशीलता बढ़ाने और उन्हें मुख्यधारा में लाने के उद्देश्य को एक नया दृष्टिकोण मिला।

महाकुंभ 2025 का समापन, 660 मिलियन से अधिक पर्यटक आए

प्रयागराज में 13 जनवरी को शुरू हुआ महाकुंभ मेला बुधवार को महाशिवरात्रि के पावन पर्व के साथ आधिकारिक रूप से संपन्न हो गया। आधिकारिक अनुमान के अनुसार, 45 दिनों तक चले इस आयोजन में 660 मिलियन से अधिक लोग शामिल हुए, जिससे यह विश्व का सबसे बड़ा मानव समागम बन गया। त्योहार के समापन के बाद भी श्रद्धालु गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के पवित्र संगम पर पवित्र स्नान के लिए प्रयागराज के त्रिवेणी संगम पर उमड़ते रहे। एक्स पर एक पोस्ट में, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि महाकुंभ 2025 के दौरान पवित्र स्नान अनुष्ठानों में 662.1 मिलियन से अधिक श्रद्धालु भाग लेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आयोजित मानवता का महायज्ञ, आस्था, एकता और समानता का महापर्व महाकुंभ-2025, प्रयागराज, आज महाशिवरात्रि के पावन स्नान के साथ अपने चरमोत्कर्ष की ओर बढ़ रहा है।" उन्होंने आगे कहा कि यह समागम श्रद्धेय अखाड़ों, संतों, महामंडलेश्वरों और धार्मिक गुरुओं के आशीर्वाद से संभव हो पाया है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने त्रिवेणी संगम पर उमड़े लाखों लोगों का आभार व्यक्त करते हुए इस आयोजन को ऐतिहासिक बताया। मौर्य ने कहा, "आज महाशिवरात्रि के दिन आध्यात्मिक एकता, दिव्य ऊर्जा और अलौकिक महत्व के साथ महाकुंभ 2025 का समापन हो गया है। 144 वर्षों के बाद महाकुंभ देश-विदेश में आकर्षण का केंद्र बना। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में महाकुंभ को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए सभी कदम उठाए गए।"

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने समन्वय प्रयासों की सराहना की, जिससे श्रद्धालुओं की आवाजाही में सुविधा हुई। उन्होंने कहा, "हमने शुरुआत में 13,000 ट्रेनों की योजना बनाई थी, लेकिन हम 16,000 से अधिक ट्रेनें चलाने में सक्षम रहे। महाकुंभ के लिए करीब 4 से 5 करोड़ श्रद्धालुओं को संगम लाया गया।"

उन्होंने गुरुवार को प्रयागराज जंक्शन का दौरा किया और रेलवे अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा, "राज्य पुलिस, आरपीएफ, रैपिड एक्शन फोर्स और विभिन्न रेलवे विभागों के बीच घनिष्ठ समन्वय था। हमने सुनिश्चित किया कि महाकुंभ के 45 दिनों के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। आयोजन स्थलों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री मोदी ने हमें श्रद्धालुओं की आस्था पर विचार करने और उन्हें भीड़ के रूप में न देखने का निर्देश दिया। हम सभी व्यवस्थाओं का विश्लेषण करेंगे और रेलवे परिचालन नियमावली में स्थायी बदलाव लाएंगे।"

राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा अध्ययन प्रमुख प्रशिक्षण वर्ग

पुणे (महाराष्ट्र) में राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा दिनांक 1–2 फरवरी 2025 को अध्ययन प्रमुख प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का उद्देश्य संगठन के अध्ययन प्रमुखों को अध्ययन एवं वैभवश्री विषयों पर गहन प्रशिक्षण प्रदान करना था।

वर्ग के उद्घाटन सत्र में **राष्ट्रीय सेवा भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री सुधीर कुमार जी** की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए अध्ययन की महत्ता और संगठन में उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अध्ययन, सेवा कार्यों की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ स्वयंसेवकों के वैचारिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्रशिक्षण वर्ग में अध्ययन एवं वैभवश्री विषय पर गहन चर्चा और प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। अध्ययन विषय के तहत संगठन के साहित्य, विचारधारा और विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। वहीं वैभवश्री विषय के अंतर्गत संगठन की स्वावलंबन योजनाओं पर प्रकाश डाला गया।

वर्ग के समापन सत्र में **राष्ट्रीय सेवा भारती के संयुक्त महामंत्री श्री विजय पुराणिक जी** उपस्थित रहे। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि अध्ययन एक सतत प्रक्रिया है, जो समाज परिवर्तन की दिशा में प्रभावी भूमिका निभाती है। उन्होंने संगठन की विचारधारा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस प्रशिक्षण वर्ग में देशभर के 27 प्रांतों से 77 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सत्रों में भाग लिया और प्राप्त ज्ञान को अपने प्रांतों में लागू करने का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा आयोजित यह प्रशिक्षण वर्ग संगठन के अध्ययन कार्य को सुदृढ़ बनाने और कार्यकर्ताओं को विषयगत रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

बलरामपुर (उत्तर प्रदेश), शनिवार, 11 जनवरी 2025 – कुष्ठ रोगी भाई-बहनों को उनके निवास स्थान पर ही नि:शुल्क चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सेवा भारती एवं गुलशन कुमार चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से संचालित समर्पण चल चिकित्सालय सेवा ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के चिकित्सा सेवा प्रवास के अंतर्गत बलरामपुर जिले में तीसरा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया। यह शिविर कांशीराम आवास योजना स्थित कुष्ठ आश्रम में संपन्न हुआ।

शिविर का शुभारंभ सेवा भारती के विभाग अध्यक्ष श्री बी डी जायसवाल जी ने किया। इस अवसर पर सेवा भारती की जिला उपाध्यक्षा बहन सुनीता जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर संघचालक श्री देव प्रकाश गुप्ता जी, सीमा जागरण मंच के जिला महामंत्री श्री संजय यादव जी, चिकित्सा आयाम प्रमुख श्री डॉ. विजय कुमार पाण्डेय जी, श्री राजू अग्रवाल जी एवं श्री मोनू यादव जी उपस्थित रहे।

शिविर में कुष्ठ रोगी भाई-बहनों के घावों की साफ-सफाई एवं मरहम-पट्टी के साथ-साथ आवश्यक स्वास्थ्य जांच जैसे रक्तचाप, मधुमेह एवं आधुनिक तकनीक से खून की विभिन्न प्रकार की जांच की गई। अनुभवी चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परामर्श प्रदान किया गया तथा आवश्यकतानुसार दवाएं, इंजेक्शन, महिलाओं को सैनेट्री पैड एवं दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण नि:शुल्क वितरित किए गए।

सेवा कार्य में प्रकल्प निदेशिका संतोष रानी, डॉ. देव उत्कर्ष, संदीप कुमार, राखी कुमारी एवं लल्लन कुमार ने सक्रिय भूमिका निभाई।

गौरतलब है कि समर्पण फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा कुष्ठ बस्तियों में नि:शुल्क एवं नियमित अंतराल पर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह सेवा राष्ट्रीय सेवा भारती एवं गुलशन कुमार चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से संचालित की जा रही है। वर्तमान में इस सेवा का लाभ देश के 9 प्रदेशों की 215 कुष्ठ बस्तियों को मिल रहा है। पूर्वी उत्तर प्रदेश का चिकित्सा सेवा अभियान 10 जनवरी को सीतापुर से प्रारंभ होकर 21 जनवरी को लखनऊ में पूर्ण होगा। यह सेवा अभियान समाज के उपेक्षित वर्ग को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

महाकुंभ में सेवा की मिसाल: सदाबरत की सरस्वती बह रही अनवरत

अयोध्या। महाकुंभ 2025 में जहां भव्यता और दिव्यता की झलक देखने को मिल रही है, वहीं इसके समानांतर एक अदृश्य लेकिन पावन धारा भी बह रही है — सदाबरत की सरस्वती। यह धारा उन निस्वार्थ सेवकों की है जो बिना किसी प्रचार-प्रसार के अपनी सेवा के माध्यम से धर्म और मानवता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं।

सेवा भारती अयोध्या महानगर के अध्यक्ष डॉ. प्रेम चन्द्र पाण्डेय ने अपने संदेश में सदाबरत के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि सदाबरत का अर्थ नि:स्वार्थ सेवा से है, जो व्यक्ति की सामर्थ्य के अनुसार दी जाती है। महाकुंभ के दौरान हजारों श्रद्धालुओं की सेवा में लगे यह अनाम सेवक श्रद्धालुओं को भोजन, पानी, मार्गदर्शन, आश्रय और सफाई जैसी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

डॉ. पाण्डेय ने कहा कि "सदाबरत की सरस्वती में स्नान सेवा के माध्यम से होता है, जो लोक और परलोक दोनों को संवारता है।" उन्होंने बताया कि सुबह की चाय वितरण से लेकर दिनभर के भंडारे तक, इन सेवकों की भक्ति और निष्ठा बिना किसी पहचान के सतत चल रही है।

उन्होंने नैनी के महाशय किशोरीलाल जी के जीवन प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे धर्मात्मा लोग भगीरथ परंपरा के संवाहक हैं, जिनके लिए जीवन का उद्देश्य ही सेवा है।

सेवा भारती अयोध्या महानगर ने सभी सदाबर्तियों को कोटि-कोटि प्रणाम करते हुए समाज को इस सरस्वती में स्नान करने का आह्वान किया है।

"सेवा ही धर्म है और यही हिंदू को हिंदू के पास लाने का सेतु बनेगी।"

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्री रामकुमार जी के निधन पर संघ परिवार ने अर्पित की श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के पूर्व सह क्षेत्र संघचालक श्री रामकुमार जी का आज प्रातः 19 फरवरी 2025 को उनके आवास पर निधन हो गया। उनके निधन से संघ परिवार समेत समाज में शोक की लहर है।

श्री रामकुमार जी का जन्म 19 जुलाई 1943 को सीतापुर में हुआ था। उन्होंने गणित विषय में एमएससी की डिग्री प्राप्त कर कमलापुर इंटर कॉलेज, सीतापुर में प्रवक्ता के रूप में कार्य किया। अपनी शिक्षा और सेवा के साथ वे बचपन से ही संघ कार्य में सक्रिय रहे।

संघ शिक्षा वर्ग में उन्होंने 1970 में प्रथम वर्ष एवं 1972 में द्वितीय वर्ष का प्रशिक्षण प्राप्त किया। आपातकाल के दौरान 4 दिसंबर 1975 को उन्हें जेल में बंद कर दिया गया। जेल में भी उनकी विद्वत्ता की पहचान हुई, जिससे डिप्टी जेलर अपने बच्चों को गणित पढ़ाने के लिए एक घंटे के लिए उन्हें अपने बंगले पर भेजते थे।

श्री रामकुमार जी ने संघ में तहसील कार्यवाह, सीतापुर जिला कार्यवाह, विभाग कार्यवाह, अवध प्रांत सह प्रांत कार्यवाह (1996), पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र कार्यवाह (2000) और सह क्षेत्र संघचालक (2021) के महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया।

राम मंदिर आंदोलन में उनका विशेष योगदान रहा। 7 अक्टूबर 1984 को अयोध्या में हुई पहली संकल्प सभा से लेकर 14 अक्टूबर 1984 को लखनऊ के बेगम हजरत महल पार्क में राम-जानकी रथ यात्रा की विशाल जनसभा तक वे सक्रिय रूप से शामिल रहे।

संघ कार्य के प्रति समर्पित, अनुशासन प्रिय, परिश्रमी, कुशल संगठक और प्रभावी वक्ता रामकुमार जी का जीवन समाज के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा।

संघ परिवार ने उनके निधन पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि रामकुमार जी का योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

सेवा भारती अवध प्रान्त

ई -पत्रिका

समाज-दर्पण

संपर्क करें:

आपका स्वागत है! यदि आपके पास सेवा भारती अवध से जुड़ी किसी भी प्रकार की जानकारी, सुझाव या प्रश्न हैं, तो कृपया हमसे संपर्क करें। हमारी टीम आपकी सहायता के लिए हमेशा तत्पर है।
हमारा उद्देश्य समाज सेवा, शिक्षा और सशक्तिकरण के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाना है। आपकी राय और सुझाव हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

+91-8789614820

www.sewabharatiawadh.org

sevabharti.avdha@gmail.com

भरत भवन , कुंडरी रकाबगंज , लखनऊ , उत्तर प्रदेश २२६००४